



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

17 आषाढ़ 1938 (श०)

(सं० पटना 564) पटना, शुक्रवार, 8 जुलाई 2016

जल संसाधन विभाग

अधिसूचना

24 जून 2016

सं० 22/नि०सि०(मोति०)-०८-०४/२००५/११७५—श्री अर्जुन प्रसाद सिन्हा, (आई० डी०-१८८५), तत्कालीन कार्यपालक अभियन्ता, दोन नहर प्रमण्डल, रामनगर, पश्चिम चम्पारण को दोन नहर प्रमण्डल, गंडक योजना में कार्यों के लिए आमंत्रित निविदा निष्पादन में बरती गई अनियमितता एवं कार्यों में प्रयोग किये गये ईटों की गुणवत्ता में कमी के लिए प्रथम द्रष्टव्या प्रमाणित आरोपों के लिए विभागीय अधिसूचना सं०-११६७ दिनांक १५.११.०६ द्वारा निलंबित करते हुए बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली २००५ के नियम १७ के तहत विभागीय संकल्प ज्ञापांक १३१२ दिनांक २१.१२.०६ द्वारा विभागीय कार्यवाही चंलाई गई। विभागीय कार्यवाही में जॉच पदाधिकारी के प्रतिवेदन की समीक्षा की गई तथा जॉच पदाधिकारी के मंतव्य से असहमत होते हुए असहमति के बिन्दु पर श्री सिन्हा से विभागीय पत्रांक ६९ दिनांक २२.०१.०८ द्वारा द्वितीय कारण पृच्छा की गई।

“एजेंडा सं० ७८/९३ के अन्तर्गत दोन शाखा नहर के वि० दू० सं० १५२ से उद्गमित मसान नदी पर अवस्थित ढाचा मार्जिनल बांध के वि० दू०-११.५० से १२.३५ तक पुनर्स्थापन एवं सुरक्षात्मक कार्य बाढ़ २००४ के पूर्व कराया गया। इस कार्य में प्रयुक्त ईटों की गुणवत्ता विशिष्टि के अनुरूप नहीं पाई गई। स्वीकृत प्राक्कलन एवं एकरारनामा के अनुसार इस कार्य १०० बी० ईट का प्रयोग किया गया था, जिसका क्रसींग स्ट्रेंथ १०० के० जी०/सी० एम० होना चाहिए था, परन्तु जॉच प्रतिवेदन में इसे ७९.३२ से ७०.३० के० जी०/सी० एम० के बीच पाया गया है जो निर्धारित मापदंड से लगभग २० प्रतिशत कम पाया गया। फलतः विभाग को काफी क्षति पहुँची एवं किया गया निर्माण भी कमजोर रहा।”

श्री सिन्हा द्वारा समर्पित द्वितीय कारण पृच्छा की समीक्षा सरकार के स्तर पर की गई। समीक्षापरान्त पाया गया कि असहमति के बिन्दु पर श्री सिन्हा द्वारा दिया गया जवाब तथ्यहीन है और इस तरह कार्यों में प्रयुक्त ईटों की गुणवत्ता प्राक्कलन में निहित विशिष्टियों के प्रतिकूल साबित हुआ। अतः श्री सिन्हा को दोषी पाकर विभागीय अधिसूचना सं० २१४ दिनांक ०६.०३.०८ द्वारा निलंबन से मुक्त करते हुए निम्नलिखित दण्ड संसूचित किया गया:-

- (१) निन्दन वर्ष २००४-०५
- (२) असंचयात्मक प्रभाव से दो वेतनवृद्धि पर रोक।

३. निलंबन अवधि में निर्वाह भत्ता के अतिरिक्त कुछ भी देय नहीं होगा, परन्तु उक्त अवधि की पेंशन आदि प्रयोजनों के लिए गणना की जायेगी।

उक्त दण्डादेश के विरुद्ध श्री सिन्हा द्वारा माननीय उच्च न्यायालय, पटना में सी०डब्लू०जे०सी० सं० १७७७१/२००८ दायर किया गया। माननीय उच्च न्यायालय, पटना द्वारा सी० डब्लू० जे० सी० सं० १७७७१/२००८ में

दिनांक 14.05.15 को पारित न्याय निर्णय में विभागीय अधिसूचना सं 214 दिनांक 06.03.08 द्वारा संसूचित दण्ड में तीसरा दण्ड यथा निलंबन अवधि में जीवन निर्वाह भत्ता के अतिरिक्त कुछ भी देय नहीं होगा को निरस्त किया गया है तथा शेष दो दण्ड को यथावत रखा गया है।

उक्त न्याय निर्णय के अनुपालन के क्रम में सरकार द्वारा पूर्व में निर्गत अधिसूचना सं 214 दिनांक 06.03.08 में संशोधन करते हुए तीसरा दण्ड यथा “निलंबन अवधि में जीवन निर्वाह भत्ता के अतिरिक्त कुछ भी देय नहीं होगा” को समाप्त करने एवं शेष दो दण्ड यथा:-

(1) निन्दन वर्ष 2004—05

(2) “असंचयात्मक प्रभाव से दो वेतनवृद्धि पर रोक” को यथावत रखने संबंधित दण्ड को अधिसूचित करने संबंधी अधिसूचना सं 2441 दिनांक 30.10.15 निर्गत किया गया।

इस संबंध में महालेखाकार, बिहार, पटना द्वारा की गई पृच्छा एवं श्री सिन्हा द्वारा विभाग को समर्पित अभ्यावेदन के आलोक में श्री सिन्हा के निलंबन अवधि दिनांक 15.11.06 से 05.03.08 तक के सेवा का निरूपन एवं वेतन भत्ता की अनुमान्यता के संबंध में बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 के नियम 11(5) के तहत अपना पक्ष रखने हेतु विभागीय पत्रांक 548 दिनांक 01.04.16 द्वारा नोटिस निर्गत की गई।

श्री सिन्हा से प्राप्त नोटिस का जवाब दिनांक 23.05.16 की समीक्षा सरकार के स्तर पर की गई। समीक्षोपरान्त विभागीय पत्रांक 548 दिनांक 01.04.16 द्वारा निर्गत नोटिस को रद्द करने तथा श्री सिन्हा के निलंबन अवधि (दिनांक 15.11.06 से 06.03.08 तक) को कर्तव्य अवधि मानते हुए पूर्ण वेतनादि भुगतान करने (पूर्व में लिये गये जीवन निर्वाह भत्ता को धटाकर) का निर्णय लिया गया तथा शेष दण्ड को यथावत रखने का निर्णय लिया गया।

उक्त निर्णय श्री सिन्हा, सेवानिवृत्त अधीक्षण अभियन्ता को संसूचित किया जाता है।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,

जीउत्त सिंह,

सरकार के उप सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 564-571+10-डी०टी०पी०।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>